

बाडक बडौरा

॥ 1

बाडक बडौरा

## 2 ॥ गजेन्द्र ठाकुर

गजेन्द्र ठाकुरक जन्म भागलपुरमे सन् १९७१ मे भेलन्हि आ आइ काह्लि ओ दिल्लीमे रहै छथि ।

बाडक बडौरा

गजेन्द्र ठाकुर

श्रुति प्रकाशन, नई दिल्ली

Bangak Bangaura: An anthology of Maithili Children Verses by Gajendra Thakur first published in 2012 by M/s Shruti Publications, India

Price: Rs.100

सर्वाधिकार © प्रीति ठाकुर 2012

पहिल संस्करण : 2012

ISBN : 978-93-80538-61-7

Gajendra Thakur asserts the moral right to be identified as the author of this work.

Every effort has been made to trace or contact all copyright holders. The publishers will be pleased to make good any omissions or rectify any mistakes brought to their attention at the earliest opportunity.

All rights reserved. This book is sold subject to the condition that it shall not, by way of trade or otherwise, be lent, resold, hired out, or otherwise circulated without the publisher's prior written consent in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser and without limiting the rights under copyright reserved above; no part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means- photographic, electronic, mechanical, photocopying, recording, taping, information storage- or otherwise, without the prior written permission of both the copyright owner and the abovementioned publisher of this book or as expressly permitted by law.

श्रुति प्रकाशन :रजिस्टर्ड ऑफिस: ८/२१, भूतल, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-११०००८.दूरभाष- (०११) २५८८९६५६-५८ फैक्स (०११)२५८८९६५७

Website:<http://www.shruti-publication.com>

e-mail: [shruti.publication@shruti-publication.com](mailto:shruti.publication@shruti-publication.com)

Printed at: Ajay Arts, Delhi-110002

*Distribubr : Pallavi Distribubrs, Ward no- 6, Nirmali (Supaul), मो.- 957245.4.5, 9931654742*

Bangak Bangaura: An anthology of Maithili Children Verses by Gajendra Thakur

### अनुक्रम

बेसी छुट्टी कम इसकूल  
कोनो सजाए नै  
बरखा भीजी

भरि दिन खेली-धूपी  
लवनचूश चूसी भरि दिन

जे मोन भावै से करब  
सभ दिन बर्थडे मनाबी  
बानर

दोकानसँ चिप्स मँगनीमे आनी  
खूब खेलाउ कमप्यूटर खेल  
नीक चित्र बनाउ छापू  
आउ खेलाउ कनियाँ पुतरा  
बरफ खाउ जाड़मे  
रातिमे अबेर धरि जागू भोर उठू देरीसँ  
सुरुज जेकाँ बरहम घूमै छथि

सरस्वती मेधा

बाजू मैथिली

हम्मर माए

अमृत पुत्री

हे नाह चल आगाँ

ध्येय पथिक साधक

मेघ बरसि गेल

स्वागतम

बड़द करैए दाउन ने यौ

बाल गजल



**बेसी छुट्टी कम इसकूल**

बेसी छुट्टी कम इसकूल  
 खेली-धूपी आरि-धूरपर  
 रौद-बसाते घूमी खूब  
 मम्मी-पापा बाबी-बाबा  
 ताकि--थाकि कऽ आबथि घूरि  
 बाड़ी-झाड़ी कल्लम गाछी  
 मेला ठेला गामे-गाम  
 भरि दिन भागा-भागी पाछू  
 बौका बुधनी संग रसूल  
 बेशी छुट्टी कम इसकूल ।

**कनियाँ-पुतरा बना सजाबी**

खर-पात सँ घर बनाबी  
 बेंतक छड़ी बनाबी घोड़ा  
 चढ़ी ताइपर आ दौगाबी  
 झुट्टे लोक कहैछ उकाठी  
 देखए धीया-पुता कऽ भूल  
 बेसी छुट्टी कम इसकूल ।

**इसकूलोमे गलती केने**

मास्टर साहेब बड़ड डेराबथि  
 बेंट पकड़ने छड़ी घुमाबथि  
 टेबुलपर ओ पटकि बजाबथि  
 सुतलोमे सपनाइत छी हम  
 कहीं हुअए नै कोनो भूल

बेसी छुट्टी कम इसकूल ।

**कनियाँ-पुतरा चलू घुमाबी**

बेंतक छड़ी हम किए बनाबी?

घर बनाबी बत्ती-कड़चीसँ

करची कलमसँ लिखी खूब

चित्र लिखि टांगी स्कूलमे,

आ सपना देखी खुब्बे-खूब

बेसी छुट्टी कम इसकूल ।

**बोने-बोन बिसरी रस्ता तँ**

वनसप्तो घर घुराबै छथि

इसकूलमे गलती केने मुदा जे

मास्टर साहेब मारै छथि

बेंट पकड़ने छड़ी घुमाबथि

मास्टर साहेब बड़ड डराबथि

मोन बेकल अछि भय भागल नै

छड़ी-बेंत सपनाइत छी हम

छड़ी-बेंत सभ फेकथि दूर

आ साँझ घूरि घर सूती हम खूब

बेशी छुट्टी कम इसकूल ।



### कोने सजाए नै

बदमस्ती हम खूब करी  
आ हल्ला घरमे सेहो  
बस्तुजात फेकी एम्हर  
लोटी गर्दामे फेरो

कादो-कदवा बीच लोटाइ  
छप-छप पानिमे भागी  
मुदा सजाए कोनो नै भेटए  
निअम एहेन बनाबी

रंग लगाबी कपड़ा-लत्तामे  
हाथ-पएरमे सेहो  
मम्मी-पापा भागि-भागि  
पकड़ए चाहथि नै पकड़ाइ

आस-पड़ोसी करथि शिकाइत  
पापा-मम्मी मानथि नै  
खूब सुनाबी खूब बनाबी  
मुदा सजाए भेटए नै

पंक्ति तोड़ि नवका पाँतीमे  
सभ बच्चा जे जाएत  
पुरना पाँतिक छोटका बड़का  
अंतर तखन मेटाएत

ई देखत आ देत सजाए  
मुदा तखन हे माइ  
टूटत पाँति नव बनत कोना  
सजाए भेटत जे दाइ

द्वेष मुदा नै राखी ककरोसँ  
मुदा करी खूब बदमस्ती  
धार जेना बहैए आगू दिस  
हमहूँ बढ़िते जाइ छी  
भेक जेना भदबरियामे  
टर्-टर् गीत गाबए  
हम गाबी भरि साल  
मुदा सजाए कोनो नै भेटए

## बरखा भीजी

बरखा भीजी नाची झूली  
छप-छप पानिपर उड़ी चली  
हाथक थाप चलाबी ओइपर  
लगा देबै हम उड़ी-बिड़ी

भेल उकासी नाक बहैए  
बरखा भीजि सिंहकैए बसात  
कृहेस उगैए मन्द सूर्य आ  
गिदर-गिदरनीक करबैए बियाह

बरखा बुन्नी रोकत किछु नै  
अप्पन जिद मनाबी  
एकटा आर अछार आएल अछि  
चलू घूमि कऽ आबी

छहोछित्त आम पेने छी  
बर्खा घूमि नाचि थाकल छी  
रोइयाँ भुटकै जाड़ आएल अछि  
हपसि-हपसि आम खाइत छी

बर्खा बुन्न मुँहमे लोकी  
सात रंगक वस्त्र पहीरि  
पनिसोखा संग घुमी-फिरी  
जाइठक ऊपर हम चहीर

पानि-बिहारि, आम खसए कलममे  
सतरंगी बुलबुला उडैत  
धार झझाएल बहए खेतमे  
देह अड़ा छी धार रोकैत

बीआ-बालि लऽ खेत जाइ छी

खेतमे छी, बड़द घुमबैत  
आम जोम भेटल रस्तामे  
बीछि आनै छी भिजैत-भिजैत

वनैय्या फूल सभ मीलि बिछै छी

**बरखा सिखबै संग चल्**

रंगबिरंगक कीड़ी देखै छी

वनैय्याकँ घरैय्या बनबू

बरखा मासक अकास गर्भसँ

उनचासो बसात बहत नै चिन्ता

आली-पाली घुमी-फिरी छुट्टा

नै छी हम कुम्हड़क बतिया

तरतड़ा देलक अनागत बरखा ई

नै रोक कोनो, नै टोक कोनो

हृष्ट-पुष्ट भऽ जाइ तुरत छी  
बरखामे नै घुमब कोनो

बाबी आँचरमे नुकबै छथि  
अपने भीजि हमरा बचबै छथि  
कोरेमे पएर पटकी हम  
लोक देखथि आ खूब हँसै छथि  
तखन भीजि हम भागी कूदि

### भरि दिन खेती-घूषी

हे कोइली हे कोइली हमर ओमक बियाह केम्हर  
उज्जर कोइली पिछड़ि चुटकीसँ गेल पच्छिभ भर

चम्पइ रौदोमे सभ खूब खेलाइ, खूब धुपाइ  
कोनो सबक नै, कोनो गप बरजल नै आइ

टोका-टोकी कोनो बातपर, कियो नै करैए  
बनि कौटंग, घूमी चारू दिस, लोक हँसैए

हँसी हँसाबी, पेट पकड़ि सभ भेल बताह  
लोक हँसथि, हमहूँ हँसी, सभ कहथि सुराह

चतोचरन लागल आँखिसँ, दुनियाँ देखी  
राति-बिराति आबी, हम सभ, घर घूरि

**लवनचूश चूसी भरि दिन**

कूरकूड खाइ चूसि अघाइ

हुअए एहन सभ दिन

लवनचूश चूसी भरि दिन

मम्मी-पापा कहथि चूसैले

कुरकुर कऽ नै खाउ

मुदा चूसि-चूसि थाकल छी

कुरकुराइले व्याकुल छी

मम्मी टोकथि डैडी टोकथि

दाँतमे लागत कीड़ी

भाए बहिन सभ किचकिचाबथि

दाँतमे लागत चुट्टी

मुदा केओ टोकथि नै मानी

कुरकुर खाइ चूसि अघाइ

लवनचूश फाँकी भरि दिन



कुरकुरड खाइ चूसि अघाइ

हुअए एहन सभ दिन

लवनचूश चूसी भरि दिन

**जे मोन भावै से करब**

माटिक घर आकि घर बालूक

चित्र कागचपर आकि रौद चली

माए सभ काजपर सबाशी दैथि

घिरनी उड़ाबी चित्रपतङ्ग उड़ाबी

सम दिन बर्थडे मनबी  
दोस यार सभ आबथि  
खूब मचाबथि हल्ला

**बानर**

बानर घूमि रहल अछि  
हमरा लगैए डर यौ  
डराउ बानर केँ  
लऽ जाउ दूर यौ

**दोकानसँ चिप्स मँगनीमे आनी**

जतेक मोन लऽ जाउ

चिप्स आलूक अहाँ

मँगनी सभटा खाउ

**खूब खेलाउ कमप्यूटर खेल**  
नै रोकू-टोकू हमरा  
खूब खेलाउ कमप्यूटर खेल

नीक चित्र बनाउ छापू

**आर खेलाउ कनिराँ पुतर**

बरफ़ खार जाइमे



रातिमे अवेर घरि जागू भोर उठू देरीसँ

### सुरुज जेकाँ बरहम घूमै छथि

कारी मेघमे घोड़ा चढ़ि  
सुरुज जेकाँ बरहम घूमै छथि  
लाल धोती पहिरि घनगर मोंछ लेने पहिरने पाग  
फूलबला कुर्ता पहिरि कारी-मेघ एहि ब्रह्माण्ड बिच  
सुक-सुरुज सन घूमि रहल बरहम चारु दिस  
पिपरक गाछतर

**सरस्वती मेघा**

सरस्वती हृदए निश्छल करु  
काव्य नृत्य सङ्गीत कलामे  
वीणा पुस्तक माला धारण

**बाजू मैथिली**

पढ़ू मैथिली

मातृभाषा प्रेम धरू

आरोह-अवरोहक सम्बल

कोमल-कठोर पदद्वय

मैथिलीक शरीरक

आधार बनू दृढ़

सुन्दर

मोनसँ स्मरण करू वचनसँ वन्दन

लोकहित जाहि मध्य एकर  
अहर्निश काज करू तकर  
नै आत्म प्रशंसा  
नै निज सफलता  
मैथिलीक उत्थान लेल  
अन्हार गह्वरक यात्रा  
अन्हार गुज्ज बोनमे  
निज सख छोड़ि चलू यौ

**हडडर डर**

दूध डरररररर रगडर नहररररर  
खेनरइ खुआ डठरररर स्कूल  
डसरसँ आनररर सरइकरल डलडी  
डरछू-डरछू असडरर रहरर  
डरकरु घुडररर गीत सुनरररर  
करररडे लऽ सडक डरर कररररर  
डढरररर दरडरी डरर कऽ  
डर हडर डृदुल

**अडृत डुरी**

अमृत पुत्र  
हम अमृत पुत्री  
कृत संकल्पित  
कीर्ति दहोदिश सत्यक मनसिसँ कष्ट समुद्र नै भारी  
स्वीकृत कार्य नै छोड़ब  
दीन दुखीक दुख मुक्ति  
सेवा शक्तिसँ नै छोड़ब

**हे नह चल अगौं**

हे नाह चल आगाँ  
ई किरण चन्द्रमा  
दोसर- ई नाह चल आगाँ  
ई आकाशमे गंगा  
ओ उकापतङ्ग अछि सोझाँ  
दोसर- चल नाद चल आगाँ  
सागरकेँ छू कऽ तूँ  
ई खेत पोखरिमे औ  
दोसर- चल नाद चल आगाँ

**ध्येय पथिक साधक**

कार्यपथ साधय



चन्द्रमा तरेगण कतए रहै छी यौ  
छोट पैघ  
होइत रहै छी यौ  
चन्द्रमा: छोट पैघ नै हम  
ओहने छी यौ  
सूर्य तरेगणक रोशनी  
खेला करैए यौ

कुमार्ग असत्य दर्प गर्व  
नै मानू दैन्य शोक

पद दृढ राखि  
जीवन देबाले  
मार्गदर्शक देशरक्षक  
शत्रुनाशक  
पद-पद मिला कऽ सोत्साह  
पएर हाथ आँखि सभ  
कन्दुकक खेल मध्य

चलू सभ मीलि बनाबी हवाइ जहाज  
कागचक पनिआ जहाज  
उड़त बीच अकास आ चलत पानिक मध्य

जे उडत अकाश मुदा से डूमत पानिक मध्य  
जे डूमत पानिक मध्य से नै उडि सकत अकास  
वृक्षक ऊपर घरक सेहो

वाटिका मध्य फूल बीछि  
माला बनाएब सभ मिलि यौ

किए कनै छी  
अहाँ बाउ यै

सूर्य उगै अछि  
चन्द्र डुमै अछि  
पसरल सगर प्रकाश  
हबा बहै अछि  
फूल फुलै अछि  
निन्न गेल अछि भागि  
काज मध्य अछि जुमल सभ  
लऽ नव उल्लास  
पथिक चलल सभ अपन लक्ष्यपर  
आंगन मध्य जनीजाति  
झाड़-बुहार नुपुरक ध्वनि बिच  
बच्चा सभ अछि खेलाइत

**मेघ बरसि गेल**

मेघ बरसि गेल  
कृषक प्रसन्न  
बीआ बाउग  
हर नै कामए

**स्वागतम**

बिना भेदक बिना रंगक  
स्थली अछि ई हमर  
जतए कोनो ने कोनो  
ने कोनो दर्प ने गर्व  
ने कुमार्ग

ने पीबू मादक वस्तु  
ने दुर्व्यसन कोनो  
ने समएक अपव्यय व्यर्थ  
सभ काज करू समये

कुकुड भौं-भौं- घोटक  
आ बिलाडिक बोल  
चिडै चुनमुनी

भोर उठै छी  
पाठ करै छी  
स्कूल जाइ छी आबै छी

अ आ इ  
अं अः  
गाबी नाची

हम धीर  
हम वीर  
हम शीलवान  
सदिखन  
पड़त कतेको भीर

तैयो हटब नै

**बड़द करैए दाउन ने यौ**

हाथी अगत, पिछ्ठ, थाइत, माइल बिरि  
हिर-हिर सुगार चलू संग घर घुरि  
ती-ती परबा उडि गेल ऊपर  
लिह लिह बकरी घास तूँ खो  
बड़द करैए दाउन ने यौ

अतू कृकृड कृत-कृत डॉगी

कैटी पिसू-पिसू आएत की?  
चेहै-चेहै सुनि पारा दौगल,  
भागी छोड़ि बाट हम ताकी  
अर्र बकरी घास तूँ खो  
बड़द करैए दाउन ने यौ

ढेहै-ढेहै कऽ नहि खौँझाबू  
साँढ़ आओत खरिहानमे यौ  
आव ठामे रे हे, हौरै हौ  
बड़द करैए दाउन ने यौ

### **बाल गजल**

कनियाँ पुतरा छोड़ू आनू बाबी  
जँ रंग गुलाबी छै तँ जानू बाबी

बोने-बोने फिरैए जे दैता सभ  
वनसप्तो लऽ घूरलि मानू बाबी

सात रंग लऽ भोर भेले गाममे  
परी रहैए गाम अकानू बाबी

कननी दूर हेतै बच्चा सभमे  
भरल आँखि बिसरी ठानू बाबी

पानि अकास धरती जा-जा घूमी  
पंख लगा टिकुली अकानू बाबी

धम्म गुड़िया संग खेलू कूदू  
राति सपनाउ निन्न आनू बाबी

सुता दियौ ऐ गुड़ियाकेँ आ सुतू  
चढ़ि ऐरावत दिन गानू बाबी